प्रकाशनार्थ

पटनाए 22 नवंबर। आद्री स्थित सेन्टर फाॅर स्टडीज आॅन इन्वायर्नमेंट एंड क्लाइमेट चेंज ;सीएसईसी.आद्रीद्ध ने सेंटर फॉर बजट एंड गवर्नेंस एकाउंटेबिलिटी ;सीबीजीएद्धए दिल्ली के सहयोग से बिहार्स पालिसी एंड बजटरी प्राॅयोर्रिटी फाॅर बिहार ट्रांजिषनिंग टूवाड्र्स ग्रीन इकोनाॅमिक रिकवरी' पर विषय पर आज एक गोलमेज परिचर्चा की मेजबानी की।

परिचर्चा में बिहार के सतत आर्थिक विकास की प्राथमिकताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जोर दिया गया। साथ ही अर्थव्यवस्था को किसी भी अचानक चुनौती ;महामारी या जलवायुद्ध का सामना करने के लिए पर्याप्त मजबूत बनाने पर भी प्रकाश डाला गया। चर्चा का उद्देश्य सीबीजीए के अध्ययन के निष्कर्षों का प्रसार करना थाए जिसमें जलवायु परिवर्तन शमन कार्यों के वित्तपोषण का विश्लेषण किया गया थाए जो कि बिहार में स्वच्छ ऊर्जा वित्तपोषण है।

चर्चा की अध्यक्षता करते हुएए डॉण् प्रभात पी घोष ने हरित विकास के एजेंडे की दिशा में शासन के सभी स्तरों द्वारा सामूहिक कार्रवाई और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एकीकृत योजना की आवश्यकता पर जोर दिया। सीइपीपीएफ.आद्री के डॉण् सुधांशु कुमार ने प्रभावी सार्वजनिक वित्त तंत्र को कैसे आत्मसात किया जाएए जैसे कि सार्वजनिक वित्त के लिए पर्याप्तता सुनिश्चित करनाए कार्यान्वयन दक्षता और साथ ही राज्य के लिए सतत विकास लक्ष्यों का पालन करनाए के बारे में जानकारी दी। सीबीजीए की डॉण् ज्योत्सना गोयल ने अक्षय ऊर्जा क्षेत्र और स्वच्छ प्रौद्योगिकी उद्योगों में हरित नौकरियों के सृजन के लिए राज्य स्तर पर एक ढांचे के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। सीएसईसी.आद्री के श्री विवेक तेजस्वी ने बिहार में सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली को हरित बनाने और इसे हरित विकास उद्देश्यों के साथ संरेखित करने के लिए बजट की भूमिका पर प्रकाश डाला।

संबंधित क्षेत्र जैसे सिडबीए बिहार कौशल विकास मिशनए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डए आरटीआईए डब्ल्यूआरआईए सीईईडब्ल्यूए एसएसईएफ और विभिन्न अन्य संगठनों के प्रतिनिधि चर्चा में उपस्थित थे।

;अंजनी कुमार वर्माद्ध